आधुनिकीकरण के रास्ते

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» चीन और जापान: आधुनिकीकरण की प्रस्तावना

प्रश्न 1 (आसान). उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में पूर्वी एशिया में किस देश का प्रभुत्व था?
उत्तर – चीन का।

प्रश्न 2 (आसान). जापान ने किस यूरोपीय शक्ति को 1905 में पराजित किया था?
उत्तर – रूस को।

प्रश्न 3 (मध्यम). चीन में गृहयुद्ध क्यों शुरू हुआ था?
उत्तर – चीन में छींग राजवंश का राजनीतिक नियंत्रण कमजोर पड़ गया था, और देश औपनिवेशिक चुनौतियों का सामना नहीं कर पा रहा था, जिससे आंतरिक अशांति बढ़ी और गृहयुद्ध शुरू हो गया।

प्रश्न 4 (कठिन). आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में चीन और जापान के अलग-अलग परिणामों के पीछे मुख्य कारण क्या थे?
उत्तर – चीन अपनी पुरानी परंपराओं और शासन व्यवस्था में सुधार नहीं कर पाया, जिससे उसे औपनिवेशिक शक्तियों और आंतरिक संघर्षों का सामना करना पड़ा। वहीं, जापान ने अपनी संस्थाओं और समाज में परंपरा की मज़बूती के साथ-साथ सीखने की शक्ति और राष्ट्रवाद का इस्तेमाल करके तेज़ी से आधुनिकीकरण किया।

» चीन का भौगोलिक और सामाजिक-सांस्कृतिक परिचय

प्रश्न 5 (आसान). चीन में सबसे प्रमुख जातीय समूह कौन सा है?
उत्तर – हान जातीय समूह।

प्रश्न 6 (आसान). चीन की किन्हीं दो मुख्य नदियों के नाम बताइए।
उत्तर – पीली नदी (हुआंग हे) और यांगत्सी नदी (छांग जियांग)।

प्रश्न 7 (मध्यम). चीन में कितने प्रकार के प्रमुख क्षेत्रीय व्यंजन मिलते हैं? शेचुआँ प्रांत का खाना किस विशेषता के लिए जाना जाता है?
उत्तर – चीन में कम से कम चार प्रमुख तरह के क्षेत्रीय व्यंजन मिलते हैं। शेचुआँ प्रांत का खाना झालदार और तीखे स्वाद के लिए जाना जाता है।

प्रश्न 8 (कठिन). चीन की भौगोलिक विशालता वहाँ की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता को कैसे प्रभावित करती है? एक उदाहरण देकर समझाइए।
उत्तर – चीन की विशाल भौगोलिक विविधता, जिसमें पहाड़, नदियाँ और अलग-अलग जलवायु क्षेत्र शामिल हैं, सीधे तौर पर उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता को प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, उत्तर में गेहूँ का मुख्य आहार होना वहाँ की ठंडी जलवायु और कृषि से जुड़ा है, जबकि शेचुआँ का तीखा खाना मसालों की उपलब्धता और ऐतिहासिक व्यापार मार्गों से प्रभावित है। इसी तरह, विशाल क्षेत्र में फैले होने के कारण हान के अलावा उइघुर, तिब्बती जैसे कई जातीय समूह और कैंटोनीज़ व शंघाईनीज़ जैसी क्षेत्रीय बोलियाँ पनपी हैं।

» जापान का भौगोलिक और सामाजिक-सांस्कृतिक परिचय

प्रश्न 9 (आसान). जापान के कितने मुख्य द्वीप हैं?
उत्तर – जापान के चार सबसे बड़े द्वीप हैं।

प्रश्न 10 (आसान). जापानी लोगों का मुख्य आहार क्या है?
उत्तर – जापानी लोगों का मुख्य आहार चावल और मछली है।

प्रश्न 11 (मध्यम). भूकंपीय गतिविधियों ने जापान की वास्तुकला को कैसे प्रभावित किया है?
उत्तर – जापान के घरों और इमारतों को भूकंप झेलने के लिए खास तरीके से बनाया जाता है, जैसे लचीली संरचनाएं या हल्के मटेरियल का उपयोग।

प्रश्न 12 (कठिन). 'The Tale of Genji' से हमें हेआन काल की महिलाओं की स्थिति के बारे में क्या पता चलता है?
उत्तर – 'The Tale of Genji' से पता चलता है कि हेआन काल में महिलाओं को अपने पति चुनने और अपनी जिंदगी जीने की काफी आज़ादी थी, जो उस समय के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहलू था।

» जापान की राजनीतिक व्यवस्था: शोगुन से मेजी तक

प्रश्न 13 (आसान). शोगुन के शासन काल में जापान कितने भागों में बंटा हुआ था?
उत्तर – जापान 250 भागों में बंटा हुआ था।

प्रश्न 14 (आसान). दैम्यो कौन थे?
उत्तर – दैम्यो क्षेत्रीय सामंत थे जो जापान के 250 भागों का शासन चलाते थे।

प्रश्न 15 (मध्यम). 16वीं शताब्दी में हुए तीन प्रमुख परिवर्तनों में से कोई दो परिवर्तन बताओ जिन्होंने जापान के विकास में मदद की।
उत्तर – 16वीं शताब्दी के दो प्रमुख परिवर्तन थे: किसानों से हथियार ले लिए गए और केवल सामुराई तलवार रख सकते थे; दूसरा, दैम्यो को अपने क्षेत्रों की राजधानियों में रहने और काफी हद तक स्वायत्तता दी गई; तीसरा, ज़मीन का सर्वेक्षण किया गया।

प्रश्न 16 (कठिन). शोगुन दैम्यो पर नियंत्रण कैसे रखते थे, कोई एक तरीका बताओ।
उत्तर – शोगुन दैम्यो को लंबे समय के लिए राजधानी एदो (आधुनिक तोक्यो) में रहने का आदेश देते थे ताकि वे अपने क्षेत्र में रहकर शोगुन के खिलाफ कोई खतरा न बन सकें और शोगुन की नज़र में रहें।

» मेजी पुनर्स्थापना और आधुनिकीकरण की शुरुआत (जापान)

प्रश्न 17 (आसान). तोक्यो का पुराना नाम क्या था?
उत्तर – एदो

प्रश्न 18 (आसान). 'फुकोकू क्योहे' का क्या अर्थ है?
उत्तर – समृद्ध देश, मजबूत सेना

प्रश्न 19 (मध्यम). कमोडोर पेरी किस देश से आया था और उसका मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – कमोडोर पेरी अमेरिका से आया था। उसका मुख्य उद्देश्य जापान के साथ राजनयिक और व्यापारिक संबंध स्थापित करने के लिए एक संधि पर हस्ताक्षर करवाना था।

प्रश्न 20 (कठिन). मेजी पुनर्स्थापना के बाद जापान ने 'सम्राट-व्यवस्था' का पुनर्निर्माण क्यों किया, जबकि पहले सम्राट की सत्ता कमजोर थी?
उत्तर – मेजी पुनर्स्थापना के बाद 'सम्राट-व्यवस्था' का पुनर्निर्माण इसलिए किया गया क्योंकि नई सरकार को एक मजबूत राष्ट्रीय पहचान और जनता के बीच राष्ट्रवाद की भावना पैदा करनी थी। सम्राट को 'सूर्य देवी का वंशज' बताकर और उसे पश्चिमीकरण का नेता बनाकर, सरकार ने परंपरागत मूल्यों और आधुनिक सुधारों के बीच एक पुल बनाया, जिससे लोगों में एकता और देश के प्रति वफादारी की भावना बढ़े।

» जापान में शिक्षा और सैन्य सुधार

प्रश्न 21 (आसान). मेजी काल में जापान में बच्चों के लिए स्कूल जाना कैसा कर दिया गया था?
उत्तर – अनिवार्य

प्रश्न 22 (आसान). जापानी भाषा में मुख्यतः कितनी लिपियों का प्रयोग होता है?
उत्तर – तीन

प्रश्न 23 (मध्यम). मेजी काल में शिक्षा के पाठ्यक्रम में किस चीज़ पर विशेष बल दिया गया था, पश्चिमी विचारों के अलावा?
उत्तर – राज्य के प्रति निष्ठा और जापानी इतिहास के अध्ययन पर।

प्रश्न 24 (कठिन). जापान ने शिक्षा और सैन्य सुधार क्यों किए? इसका मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – जापान ने खुद को एक आधुनिक, एकीकृत और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए शिक्षा और सैन्य सुधार किए, ताकि वह पश्चिमी शक्तियों के साथ बराबरी पर खड़ा हो सके और अपनी पहचान बना सके।

» जापानी अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण और औद्योगिक विकास

प्रश्न 25 (आसान). जापान की पहली रेल लाइन किन दो शहरों के बीच बिछाई गई थी?
उत्तर – तोक्यो और योकोहामा बंदरगाह के बीच।

प्रश्न 26 (आसान). मेजी काल में जापान ने किस उद्योग के लिए यूरोप से मशीनें आयात कीं?
उत्तर – वस्त्र उद्योग के लिए।

प्रश्न 27 (मध्यम). मेजी काल में सरकार ने बढ़ती जनसंख्या का प्रबंधन कैसे किया?
उत्तर – सरकार ने 'प्रवास को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया', लोगों को उत्तरी टापू होकाइदो, हवाई, ब्राजील और औपनिवेशिक क्षेत्रों में जाकर बसने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रश्न 28 (कठिन). ज़ायबात्सु क्या थे और उनका जापानी अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव था?
उत्तर – ज़ायबात्सु 'बड़ी व्यापारिक संस्थाएँ' थीं जिन पर 'विशिष्ट परिवारों का नियंत्रण' था। इनका अर्थव्यवस्था पर प्रभुत्व रहा, जिससे बड़ी कंपनियों को विकास करने और जापानी व्यापार को नियंत्रित करने में मदद मिली।

» जापान में औद्योगिक मजदूर और आक्रामक राष्ट्रवाद

प्रश्न 29 (आसान). 1870 से 1913 के बीच जापान में औद्योगिक मजदूरों की संख्या में कितनी वृद्धि हुई?
उत्तर – औद्योगिक मजदूरों की संख्या 7 लाख से बढ़कर 40 लाख हो गई।

प्रश्न 30 (आसान). जापान में पहली आधुनिक हड़ताल का आयोजन किसने किया था?
उत्तर – पहली आधुनिक हड़ताल का आयोजन महिलाओं ने किया था।

प्रश्न 31 (मध्यम). तानाका शोज़ो कौन थे और उन्होंने किस मुद्दे पर आंदोलन छेड़ा था?
उत्तर – तानाका शोज़ो एक किसान के बेटे और सांसद थे, जिन्होंने 1897 में औद्योगिक प्रदूषण के खिलाफ पहला आंदोलन छेड़ा था।

प्रश्न 32 (कठिन). मेजी संविधान और सैन्य नियंत्रण ने जापान में किस प्रकार के राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया? समझाइए।
उत्तर – मेजी संविधान ने 'सीमित मताधिकार' दिया और 'डायट' के अधिकार सीमित थे। 'सम्राट सैन्यबलों का कमांडर' था और सेना का प्रभाव बहुत बढ़ गया था। इस 'सैन्य शक्ति पर जोर' और 'पश्चिमी शक्तियों पर निर्भरता' के डर ने 'आक्रामक राष्ट्रवाद' को बढ़ावा दिया, जिसके तहत जापान ने अपने 'उपनिवेश बढ़ाने' के लिए दूसरे देशों पर हमले किए।

» जापानी बुद्धिजीवियों में 'पश्चिमीकरण' बनाम 'परंपरा'

प्रश्न 33 (आसान). फुकुज़ावा यूकिची ने जापान को किससे 'निकाल फेंकने' की सलाह दी थी?
उत्तर – एशिया से।

प्रश्न 34 (आसान). किस बुद्धिजीवी ने कहा था कि 'राष्ट्रीय गर्व देसी मूल्यों पर निर्मित होना चाहिए'?
उत्तर – मियाके सेत्सुरे।

प्रश्न 35 (मध्यम). जापानी बुद्धिजीवियों में 'पश्चिमीकरण' बनाम 'परंपरा' की बहस का क्या मतलब था? संक्षेप में बताएं।
उत्तर – इसका मतलब यह था कि जापानी बुद्धिजीवी इस बात पर बंटे हुए थे कि क्या जापान को पूरी तरह से पश्चिमी विचारों और जीवनशैली को अपनाना चाहिए (पश्चिमीकरण) या अपनी राष्ट्रीय पहचान, परंपराओं और देसी मूल्यों पर गर्व करना चाहिए (परंपरा)।

प्रश्न 36 (कठिन). फुकुज़ावा यूकिची और मियाके सेत्सुरे के विचारों की तुलना करते हुए, बताइए कि जापान को आधुनिक बनाने के उनके दृष्टिकोणों में क्या अंतर था?
उत्तर – फुकुज़ावा यूकिची का दृष्टिकोण था कि जापान को अपनी एशियाई पहचान को पूरी तरह त्याग कर पश्चिमी देशों की तरह आधुनिक बन जाना चाहिए, क्योंकि वे पश्चिमी सभ्यता को श्रेष्ठ मानते थे। इसके विपरीत, मियाके सेत्सुरे का मानना था कि जापान को अपनी राष्ट्रीय पहचान और देसी मूल्यों को बनाए रखते हुए आधुनिक बनना चाहिए, और विश्व सभ्यता में अपने खास योगदान को विकसित करना चाहिए, क्योंकि हर राष्ट्र का अपना 'खास हुनर' होता है।

» जापान में आधुनिकीकरण और रोज़मर्रा की जिंदगी

प्रश्न 37 (आसान). जापान में नए परिवार के लिए किस अंग्रेजी शब्द का इस्तेमाल किया जाने लगा?
उत्तर – होमु

प्रश्न 38 (आसान). मोगा शब्द से आप क्या समझते हैं?
उत्तर – मॉडर्न गर्ल या आधुनिक लड़की

प्रश्न 39 (मध्यम). जापान में आधुनिकीकरण के कारण रोज़मर्रा की जिंदगी में आए दो प्रमुख बदलावों का वर्णन करें।
उत्तर – जापान में आधुनिकीकरण के कारण परिवार व्यवस्था में बदलाव आया, जहां बड़े पैतृक परिवारों की जगह 'होमु' (छोटे परिवार) ने ले ली। साथ ही, मनोरंजन के तरीकों में भी क्रांति आई, जैसे 'रेडियो-स्टेशन' खुले और 'फिल्में' लोकप्रिय हुईं।

प्रश्न 40 (कठिन). जापान में आधुनिकीकरण ने उपभोक्ता संस्कृति को कैसे बढ़ावा दिया? उदाहरण सहित समझाएं।
उत्तर – जापान में आधुनिकीकरण ने उपभोक्ता संस्कृति को बढ़ावा दिया क्योंकि 'नयी घरेलू वस्तुओं' जैसे 'बिजली के चावल पकाने वाले कुकर', 'इलेक्ट्रिक भूनक' और 'टोस्टर' की मांग बढ़ी। '1920 के दशक में निर्माण कंपनियों ने सस्ते मकान किश्तों पर' उपलब्ध कराए। शहरों में 'डिपार्टमेंट स्टोर' खुले और 'गिन्ज़ा' जैसे फैशनेबल इलाकों में 'गिनबुरा' (बिना लक्ष्य के घूमना) का चलन बढ़ा, जिससे खरीदारी और मनोरंजन एक साथ होने लगे।

» आधुनिकता पर विजय और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान

प्रश्न 41 (आसान). द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान ने किस अमेरिकी नौसैनिक अड्डे पर हमला किया था?
उत्तर – पर्ल हार्बर

प्रश्न 42 (आसान). जापान के संविधान के किस अनुच्छेद में युद्ध न करने की बात कही गई है?
उत्तर – अनुच्छेद 9

प्रश्न 43 (मध्यम). 1943 में हुई 'आधुनिकता पर विजय' संगोष्ठी में जापान की मुख्य दुविधा क्या थी?
उत्तर – आधुनिक रहते हुए पश्चिमी देशों पर विजय पाना।

प्रश्न 44 (कठिन). द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान के आर्थिक 'चमत्कार' के पीछे छिपे प्रमुख कारण क्या थे, सिर्फ अमेरिकी मदद के अलावा?
उत्तर – विसैन्यीकरण के कारण रक्षा पर कम खर्च, सरकार-उद्योग का तालमेल, शिक्षा पर जोर, और तकनीकी नवाचार। (यह पाठ में अमेरिकी समर्थन के साथ-साथ कोरिया और वियतनाम में युद्ध से भी मदद मिलने की बात करता है, जिसे जापान के आर्थिक पुनर्निर्माण में सहायक बताया गया है।)

» चीन का आधुनिकीकरण: प्रारंभिक चुनौतियाँ और अफीम व्यापार

प्रश्न 45 (आसान). चीन में पश्चिमी शक्तियों का पहला संपर्क किस सदी में हुआ?
उत्तर – सोलहवीं और सत्रहवीं सदी में।

प्रश्न 46 (आसान). अफीम युद्ध किस वर्ष शुरू हुआ था?
उत्तर – 1839 में।

प्रश्न 47 (मध्यम). ईस्ट इंडिया कंपनी ने अफीम को व्यापार में क्यों शामिल किया?
उत्तर – क्योंकि चीनी उत्पादों की भारी मांग के कारण व्यापार में असंतुलन था और ब्रिटेन को चीन को चांदी में भुगतान करना पड़ता था। अफीम बेचकर वे चांदी कमाते थे।

प्रश्न 48 (कठिन). प्रथम अफीम युद्ध के चीन पर दीर्घकालिक प्रभाव क्या थे?
उत्तर – इसने 'किंग राजवंश को बहुत कमजोर' किया, चीन की 'संप्रभुता को चुनौती' दी, और देश में 'आधुनिकीकरण और सुधारों की मांग' को बढ़ावा दिया। यह चीन के आधुनिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

» चीन में सुधारकों की भूमिका और गणतांत्रिक क्रांति

प्रश्न 49 (आसान). चीन में 'परीक्षा प्रणाली' को कब समाप्त किया गया?
उत्तर – 1905 में।

प्रश्न 50 (आसान). आधुनिक चीन के संस्थापक किसे माना जाता है?
उत्तर – सन यात-सेन को।

प्रश्न 51 (मध्यम). कांग यूवेई और लियांग किचाउ जैसे सुधारकों ने चीन को उपनिवेशीकरण से बचाने के लिए क्या सुझाव दिए?
उत्तर – उन्होंने आधुनिक प्रशासकीय व्यवस्था, नई सेना, नई शिक्षा प्रणाली और संवैधानिक सरकार की स्थापना की नीतियां बनाईं।

प्रश्न 52 (कठिन). सन यात-सेन के 'तीन सिद्धांत' (सन मिन चुई) का विस्तृत वर्णन करें।
उत्तर – सन यात-सेन के तीन सिद्धांत थे: राष्ट्रवाद (मांचू और साम्राज्यवादी शक्तियों को हटाना), गणतंत्रवाद (गणतांत्रिक सरकार की स्थापना), और समाजवाद (पूंजी का नियमन और भूस्वामित्व में बराबरी)। इन सिद्धांतों ने चीन को एक आधुनिक, एकीकृत और समतावादी राष्ट्र बनाने का आधार प्रदान किया।

» सन यात-सेन के तीन सिद्धांत और कुओमीनतांग का उदय

प्रश्न 53 (आसान). सन यात-सेन के 'तीन सिद्धांत' कौन से थे?
उत्तर – राष्ट्रवाद, गणतंत्रवाद, समाजवाद।

प्रश्न 54 (आसान). मांचू राजवंश को हटाने का सिद्धांत सन यात-सेन के किस सिद्धांत से संबंधित था?
उत्तर – राष्ट्रवाद।

प्रश्न 55 (मध्यम). 4 मई आंदोलन क्यों हुआ था और इसका मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – 4 मई आंदोलन 1919 में प्रथम विश्व युद्ध के बाद शांति सम्मेलन के फैसलों के विरोध में हुआ था, क्योंकि चीन को उसके छीने गए इलाके वापस नहीं मिले थे। इसका उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, लोकतंत्र और राष्ट्रवाद के ज़रिए चीन को बचाना और परंपरा पर हमला करना था।

प्रश्न 56 (कठिन). कुओमीनतांग का सामाजिक आधार क्या था और इसकी मुख्य चुनौतियाँ क्या थीं?
उत्तर – कुओमीनतांग का सामाजिक आधार मुख्य रूप से 'शहरी इलाकों' में था, जिसमें ज़्यादातर 'व्यापारी और दुकानदार' जैसे 'नगण्य शहरी' (xiaoshimin) शामिल थे। इसकी मुख्य चुनौती 'संकीर्ण सामाजिक आधार' और 'सीमित राजनीतिक दृष्टि' थी। यह 'किसानों और बढ़ती सामाजिक असमानता' की अनदेखी करता रहा और 'पूँजी का नियमन और भूमि-अधिकारों में बराबरी' जैसे अपने ही सिद्धांतों को लागू नहीं कर पाया।

» चीनी साम्यवादी पार्टी का उदय और माओ त्सेतुंग का नेतृत्व

प्रश्न 57 (आसान). चीनी साम्यवादी पार्टी की स्थापना किस वर्ष हुई थी?
उत्तर – 1921

प्रश्न 58 (आसान). माओ त्सेतुंग ने अपनी क्रांति के लिए मुख्य रूप से किस वर्ग पर ध्यान केंद्रित किया?
उत्तर – किसान

प्रश्न 59 (मध्यम). 'लॉंग मार्च' क्या था और यह क्यों महत्वपूर्ण है?
उत्तर – 'लॉंग मार्च' (1934-35) कुओमीनतांग की घेराबंदी से बचने के लिए साम्यवादियों द्वारा शांग्सी तक तय किया गया 6000 मील का मुश्किल सफ़र था। यह CCP के लिए एक नया आधार बनाने और माओ के नेतृत्व को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण था।

प्रश्न 60 (कठिन). माओ त्सेतुंग द्वारा लागू किए गए 'सामाजिक सुधारों' के दो प्रमुख उदाहरण दीजिए।
उत्तर – माओ ने 'ज़मीन पर कब्ज़ा और पुनर्वितरण' लागू किया, जिससे किसानों को ज़मीन मिली। उन्होंने 'महिलाओं की समस्याओं' पर भी ध्यान दिया और 'शादी के नए कानून बनाए जिसमें आयोजित शादियों और शादी के समझौते खरीदने और बेचने पर रोक लगाई और तलाक को आसान बनाया'।

» नए जनवाद की स्थापना और सांस्कृतिक क्रांति (चीन)

प्रश्न 61 (आसान). चीन में 'पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' की स्थापना किस वर्ष हुई?
उत्तर – 1949

प्रश्न 62 (आसान). 'लंबी छलांग' आंदोलन का मुख्य लक्ष्य क्या था?
उत्तर – देश का तेज़ी से औद्योगीकरण करना

प्रश्न 63 (मध्यम). 'पीपल्स कम्यून्स' क्या थे और उनका क्या उद्देश्य था?
उत्तर – 'पीपल्स कम्यून्स' ग्रामीण क्षेत्रों में सामूहिक खेती की व्यवस्था थी, जहाँ लोग मिलकर ज़मीन के मालिक थे और फ़सल उगाते थे, जिसका उद्देश्य ग्रामीण उत्पादकता बढ़ाना था।

प्रश्न 64 (कठिन). माओ द्वारा शुरू की गई 'महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति' के चीन पर क्या प्रमुख नकारात्मक प्रभाव पड़े?
उत्तर – सांस्कृतिक क्रांति से चीन में 'खलबली का दौर शुरू हो गया', 'पार्टी कमज़ोर हो गई' और 'अर्थव्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था में भारी रुकावट आई', जिससे देश के विकास पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

» 1978 के बाद चीन में सुधार और ताइवान का किस्सा

प्रश्न 65 (आसान). 1978 के बाद चीन में किस नई अर्थव्यवस्था की शुरुआत हुई?
उत्तर – समाजवादी बाज़ार अर्थव्यवस्था

प्रश्न 66 (आसान). ताइवान में 'चीनी गणतंत्र' की स्थापना किसने की?
उत्तर – चियांग काई-शेक

प्रश्न 67 (मध्यम). तियानमेन चौक की घटना चीन के किस दशक में हुई थी?
उत्तर – 1980 के दशक के अंत में (1989 में)

प्रश्न 68 (कठिन). चीन में 'पार्टी से सवाल-जवाब न करने की हद तक बहस की इजाज़त' का क्या अर्थ था और इससे 'पाँचवीं आधुनिकता' की मांग कैसे जुड़ी थी?
उत्तर – इसका अर्थ था कि लोग कुछ मुद्दों पर आपस में या सीमित तौर पर चर्चा कर सकते थे, पर सीधे पार्टी की सत्ता को चुनौती नहीं दे सकते थे। 'पाँचवीं आधुनिकता' (लोकतंत्र) की मांग इसी सीमित आज़ादी के माहौल में उठी, क्योंकि लोगों ने महसूस किया कि अन्य आर्थिक और वैज्ञानिक आधुनिकीकरण तब तक अधूरे हैं जब तक राजनीतिक स्वतंत्रता और लोकतंत्र न हो। यह एक गहरी असंतुष्टि को दर्शाता था।

» कोरिया का आधुनिकीकरण: उपनिवेशवाद से आर्थिक शक्ति तक

प्रश्न 69 (आसान). कोरिया पर किस देश ने उपनिवेशवाद किया था?
उत्तर – जापान

प्रश्न 70 (आसान). कोरिया का विभाजन किस रेखा द्वारा हुआ था?
उत्तर – 38वीं समानांतर रेखा

प्रश्न 71 (मध्यम). कोरियाई युद्ध कब शुरू हुआ था और कब खत्म हुआ?
उत्तर – 1950 में शुरू होकर 1953 में खत्म हुआ।

प्रश्न 72 (कठिन). दक्षिण कोरिया के 'आर्थिक चमत्कार' में किन नीतियों और आंदोलनों ने मुख्य भूमिका निभाई?
उत्तर – मुख्य नीतियां थीं 'निर्यात-उन्मुख औद्योगिकीकरण' और 'राज्य-समर्थित बड़े कॉर्पोरेट फर्मों' का विकास। 'सैमौल आंदोलन' ने ग्रामीण विकास और लोगों की भागीदारी को बढ़ाया।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. उन्नीसवीं सदी में चीन और जापान की प्रारंभिक स्थिति में क्या अंतर था और आधुनिकीकरण की उनकी यात्रा के क्या अलग परिणाम हुए?

› पहले हम देखेंगे कि उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में चीन कैसा था। किताब के अनुसार, 'उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में चीन का पूर्वी एशिया पर प्रभुत्व था'। यानी चीन क्षेत्रीय शक्ति में सबसे ऊपर था।

› अब हम जापान की स्थिति देखेंगे। 'नन्हा-सा द्वीप-देश जापान अलग-थलग पड़ा हुआ प्रतीत होता था'। इसका मतलब है कि जापान तब इतना प्रभावशाली नहीं था और थोड़ा अकेला था।

› इसके बाद हम चीन की आधुनिकीकरण की यात्रा के परिणाम देखेंगे। 'कुछ ही दशकों के भीतर चीन अशांति की गिरफ्त में आ गया और औपनिवेशिक चुनौती का सामना नहीं कर पाया'। चीन में गृहयुद्ध भी हुआ और उसका राजवंश कमज़ोर पड़ गया।

› अंत में, हम जापान की आधुनिकीकरण की यात्रा के परिणाम पर ध्यान देंगे। 'जापान एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य के निर्माण में, औद्योगिक अर्थतंत्र की रचना में और यहाँ तक कि ताइवान (1895) तथा कोरिया (1910) को अपने में मिलाते हुए एक औपनिवेशिक साम्राज्य कायम करने में सफल रहा'। जापान ने चीन और रूस जैसी शक्तियों को भी हराया।

› निष्कर्ष यह निकलता है कि चीन ने शुरुआत में प्रभावशाली होने के बावजूद आधुनिकीकरण में संघर्ष किया और कमज़ोर पड़ गया, जबकि जापान ने एक छोटे देश के रूप में शुरुआत करके तेज़ी से खुद को आधुनिक और शक्तिशाली बनाया।

उत्तर – उन्नीसवीं सदी की शुरुआत में चीन पूर्वी एशिया में प्रभावशाली था, जबकि जापान अलग-थलग था। आधुनिकीकरण की यात्रा में चीन अशांति और गृहयुद्ध का शिकार होकर कमजोर पड़ा, वहीं जापान एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य और औद्योगिक शक्ति के रूप में तेज़ी से उभरा और उसने चीन व रूस जैसी बड़ी शक्तियों को भी हराया।

उदाहरण 2. चीन की तीन प्रमुख नदियों के नाम बताइए और वहाँ के दो मुख्य जातीय समूहों के नाम लिखिए।

› पहले चीन की प्रमुख नदियों को पहचानते हैं। किताब में बताया गया है कि तीन बड़ी नदियाँ हैं।

› फिर, चीन के विभिन्न जातीय समूहों को देखते हैं। सबसे प्रमुख हान है, और अन्य भी कई हैं।

› अब, इन नामों को सूचीबद्ध करते हैं।

उत्तर – चीन की तीन प्रमुख नदियाँ हैं: पीली नदी (हुआंग हे), यांगत्सी नदी (छांग जियांग), और पर्ल नदी। चीन के दो मुख्य जातीय समूह हैं: हान और उइघुर।

उदाहरण 3. जापान के चार मुख्य द्वीपों के नाम बताइए और जापान में 'The Tale of Genji' का क्या महत्व है?

› जापान के चार सबसे बड़े द्वीप हैं: Honshu (होंशू), Kyushu (क्यूशू), Shikoku (शिकोकु) और Hokkaido (होकाइदो)।

› 'The Tale of Genji' मुरासाकी शिकिबु द्वारा लिखी गई एक काल्पनिक डायरी है जो हेआन राजदरबार के अभिजात वातावरण को दर्शाती है।

› इसका महत्व यह है कि यह जापानी साहित्य की एक प्रमुख कथाकृति है और उस समय की महिलाओं की आज़ादी को भी दिखाती है।

उत्तर – जापान के चार मुख्य द्वीप होंशू, क्यूशू, शिकोकु और होकाइदो हैं। 'गेंजी की कथा' जापानी साहित्य की एक महत्वपूर्ण कृति है, जो हेआन काल के समाज और महिलाओं की स्थिति को दर्शाती है।

उदाहरण 4. जापान की राजनीतिक व्यवस्था में शोगुन कौन थे और उनका शासन कब से कब तक चला?

› सबसे पहले याद करें कि जापान में सम्राट तो थे, लेकिन असली शक्ति किसके हाथ में थी। हमें पता है कि 12वीं सदी तक शोगुन असली शासक बन गए थे।

› फिर यह देखें कि शोगुन का मुख्य काम क्या था। वे सम्राट के नाम पर शासन करते थे लेकिन सैन्य और प्रशासनिक शक्ति उन्हीं के पास थी।

› अंत में, शोगुन शासन के सबसे प्रसिद्ध परिवार और उनकी समय-सीमा को याद करें। तोकुगावा परिवार ने 1603 से 1867 तक शासन किया।

उत्तर – शोगुन जापान में सैनिक शासक थे, जो सैद्धांतिक रूप से सम्राट के नाम पर शासन करते थे, पर असली सत्ता उन्हीं के हाथ में थी। तोकुगावा परिवार के शोगुनों ने 1603 से 1867 तक शासन किया।

उदाहरण 5. मेजी पुनर्स्थापना से पहले जापान की क्या स्थिति थी और कमोडोर पेरी के आगमन ने इसे कैसे प्रभावित किया?

› मेजी पुनर्स्थापना से पहले जापान में शोगुन का शासन था, सम्राट केवल नाममात्र का शासक था।

› देश में कई तरह के असंतोष थे और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तथा कूटनीतिक संबंधों की मांग भी बढ़ रही थी।

› 1853 में अमेरिकी कमोडोर मैथ्यू पेरी अपने 'काले जहाजों' के साथ जापान आया, उसने जापान से व्यापार संधि पर हस्ताक्षर करने की मांग की।

› पेरी के आगमन ने जापानी नेताओं को पश्चिमी शक्तियों की ताकत का एहसास कराया और उन्हें लगा कि जापान को खुद को मजबूत करना होगा ताकि वह उपनिवेश न बन जाए।

› इस घटना ने सम्राट की राजनीतिक अहमियत को बढ़ाया और शोगुन के शासन को समाप्त करने का मार्ग प्रशस्त किया, जिससे मेजी पुनर्स्थापना हुई।

उत्तर – मेजी पुनर्स्थापना से पहले जापान में शोगुन का प्रभावी शासन था और सम्राट की सत्ता सीमित थी। कमोडोर पेरी के आगमन ने जापानियों को बाहरी दुनिया की ताकत का एहसास कराया, जिससे सम्राट की अहमियत बढ़ी, शोगुन को सत्ता से हटाया गया, और जापान में आधुनिकीकरण की शुरुआत हुई।

उदाहरण 6. जापान में मेजी पुनर्स्थापना के बाद शिक्षा के क्षेत्र में किए गए किन्हीं दो महत्वपूर्ण सुधारों का वर्णन कीजिए।

› पहला सुधार: 'नई विद्यालय-व्यवस्था का निर्माण' मेजी काल में हुआ। इसके तहत 'लड़के और लड़कियों के लिए स्कूल जाना अनिवार्य हो गया'। इससे पहले शिक्षा कुछ खास लोगों तक ही सीमित थी, लेकिन इस बदलाव से सभी बच्चों के लिए शिक्षा के दरवाजे खुल गए।

› दूसरा सुधार: 'पाठ्यचर्या पश्चिमी नमूनों पर आधारित थी' शुरू में, लेकिन '1870 के दशक के आते-आते आधुनिक विचारों पर ज़ोर देने के साथ-साथ राज्य के प्रति निष्ठा और जापानी इतिहास के अध्ययन पर बल दिया जाने लगा'। यानी, उन्होंने सिर्फ पश्चिमी ज्ञान को नहीं अपनाया, बल्कि अपने देश और संस्कृति को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया, जिससे बच्चों में राष्ट्रीय भावना मजबूत हुई।

उत्तर – मेजी पुनर्स्थापना के बाद जापान में शिक्षा के क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण सुधार हुए: पहला, नई विद्यालय-व्यवस्था के तहत लड़के और लड़कियों के लिए शिक्षा अनिवार्य कर दी गई, जिससे सबको स्कूल जाने का मौका मिला। दूसरा, पाठ्यक्रम में आधुनिक पश्चिमी विचारों के साथ-साथ राज्य के प्रति निष्ठा और जापानी इतिहास के अध्ययन को भी शामिल किया गया, जिससे राष्ट्रीय पहचान मजबूत हुई।

उदाहरण 7. मेजी काल में जापान ने अपनी अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए क्या मुख्य कदम उठाए? किन्हीं तीन का वर्णन करें।

› पहला कदम: 'कृषि पर कर लगाकर धन इकट्ठा किया'। जापान ने किसानों से टैक्स लेना शुरू किया, जिससे सरकार के पास पैसा आया और वह उद्योगों और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश कर सकी।

› दूसरा कदम: 'पहली रेल लाइन' बिछाई गई। 'तोक्यो और योकोहामा बंदरगाह के बीच' रेल लाइन बनने से सामान और लोगों का परिवहन आसान हो गया, जिससे व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला।

› तीसरा कदम: 'आधुनिक बैंकिंग संस्थाओं का प्रारंभ' किया गया। 1872 में बैंकों की स्थापना से लोगों और कंपनियों को पूंजी और ऋण आसानी से मिलने लगा, जिससे उद्योगों का विकास तेज़ी से हुआ।

उत्तर – जापान ने कृषि पर कर लगाया, पहली रेल लाइन बिछाई, और आधुनिक बैंकिंग संस्थाएं स्थापित कीं।

उदाहरण 8. जापान में औद्योगिक विकास के साथ किन दो मुख्य सामाजिक-राजनीतिक चुनौतियों का उदय हुआ?

› पहला, हमें याद रखना चाहिए कि जब उद्योग बढ़े तो 'मजदूरों की संख्या में बहुत तेज़ी' से वृद्धि हुई।

› दूसरा, 'तेज औद्योगिक विकास' ने 'प्राकृतिक संसाधनों' पर भारी दबाव डाला, जिससे 'पर्यावरण प्रदूषण' बढ़ा और 'तनाका शोज़ो' जैसे नेताओं ने इसके खिलाफ आंदोलन किए।

› तीसरा, 'मेजी संविधान' के तहत 'सीमित मताधिकार' और 'सैन्य शक्तियों के बढ़ते नियंत्रण' के कारण 'आक्रामक राष्ट्रवाद' का उदय हुआ, जिसने जापान को 'उपनिवेश बढ़ाने' और दूसरे देशों से 'युद्ध' करने के लिए प्रेरित किया।

उत्तर – जापान में औद्योगिक विकास के साथ 'पर्यावरण प्रदूषण' और 'आक्रामक राष्ट्रवाद' जैसी दो मुख्य सामाजिक-राजनीतिक चुनौतियों का उदय हुआ।

उदाहरण 9. फुकुज़ावा यूकिची के मुख्य विचार क्या थे और उन्होंने जापान को क्या सलाह दी?

› पहचानो कि फुकुज़ावा यूकिची किस पीढ़ी के बुद्धिजीवी थे और उनका दृष्टिकोण क्या था।

› याद करो उन्होंने 'एशिया को निकाल फेंकने' की बात क्यों कही थी।

› समझो कि उन्होंने पश्चिमी सभ्यता और उसके सांस्कृतिक सारतत्व को कितना महत्व दिया।

› उदाहरणों के साथ समझाओ कि उन्होंने जापान के लिए 'ज्ञान के लिए प्रोत्साहन' (Gakumon no Susume) जैसी कृतियों में क्या सुझाव दिए।

उत्तर – फुकुज़ावा यूकिची मेजी काल के एक प्रमुख बुद्धिजीवी थे। उनका मुख्य विचार यह था कि जापान को पूरी तरह से पश्चिमी सभ्यता को अपना लेना चाहिए, क्योंकि वे इसे सभ्यता की ऊंचाइयों पर मानते थे। उन्होंने कहा कि जापान को 'अपने में से एशिया को निकाल फेंकना' चाहिए, जिसका अर्थ था कि जापान को अपनी पुरानी एशियाई पहचान और परंपराओं को छोड़ देना चाहिए और पश्चिमी देशों की तरह आधुनिक बनना चाहिए। उन्होंने 'ज्ञान के लिए प्रोत्साहन' नामक अपनी पुस्तक में जापानी ज्ञान की कड़ी आलोचना की और पश्चिमी कारखानों, संस्थाओं और उनके सांस्कृतिक सारतत्व को बढ़ावा देने की सलाह दी, ताकि जापान में एक 'नया नागरिक' बन सके।

उदाहरण 10. जापान में आधुनिकीकरण के कारण परिवार और मनोरंजन के क्षेत्र में क्या-क्या बदलाव आए? कोई दो मुख्य बदलावों का उल्लेख करें।

› सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि जापान में आर्थिक समृद्धि बढ़ी थी, जिसने लोगों की जीवनशैली को प्रभावित किया।

› परिवार के क्षेत्र में, 'पैतृक परिवार व्यवस्था' की जगह 'होमु' नाम के छोटे 'मूल परिवार' का चलन बढ़ा, जहां पति-पत्नी मिलकर घर चलाते थे।

› मनोरंजन के क्षेत्र में, पहले की पारंपरिक चीजों के बजाय नए 'घरेलू उत्पादों' जैसे 'बिजली से चलने वाले चावल पकाने वाले कुकर' और 'टोस्टर' आए। साथ ही, '1925 में पहला रेडियो-स्टेशन खुला' और '1899 में फिल्में' बननी शुरू हो गईं, जिससे लोगों के मनोरंजन के तरीके बदल गए।

उत्तर – जापान में आधुनिकीकरण के कारण परिवार में 'पैतृक परिवार व्यवस्था' की जगह 'होमु' नामक 'छोटे परिवार' का चलन बढ़ा। मनोरंजन के क्षेत्र में 'रेडियो-स्टेशन' खुले, 'फिल्में' बननी शुरू हुईं और नए बिजली के घरेलू उपकरण जैसे 'कुकर' और 'टोस्टर' लोकप्रिय हुए।

उदाहरण 11. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान एक बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में कैसे उभरा? किन्हीं तीन मुख्य बिंदुओं को समझाइए।

› पहला कदम था 'विसैन्यीकरण और नए संविधान' (demilitarization and new constitution) का लागू होना। जापान ने अनुच्छेद 9 के तहत युद्ध न करने की शपथ ली, जिससे उनका सारा पैसा सेना पर खर्च होने की बजाय विकास पर लगा।

› दूसरा, 'अमेरिकी सहायता और कोरिया-वियतनाम युद्ध' (American support and Korean-Vietnam wars) से भी जापान को बहुत फायदा मिला। अमेरिका ने जापान के पुनर्निर्माण में मदद की, और युद्धों के दौरान जापान से भारी मात्रा में सामान खरीदा गया, जिससे उनकी फैक्ट्रियों को काम मिला।

› तीसरा, 'उद्योग और सरकार के बीच मजबूत संबंध' (strong ties between industry and government) बने। सरकार, नौकरशाही और बड़े-बड़े उद्योगों ने मिलकर काम किया, जिससे नई तकनीकें आईं और गुणवत्ता वाले सस्ते उत्पाद बाज़ार में आने लगे, जैसे 'बुलेट ट्रेन' (bullet train) और 'टोक्यो ओलंपिक' (Tokyo Olympics) ने उनकी तरक्की का प्रदर्शन किया।

उत्तर – द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, जापान ने विसैन्यीकरण, अमेरिकी समर्थन, और सरकार व उद्योगों के बीच मजबूत संबंधों के चलते एक वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में तेज़ी से वापसी की।

उदाहरण 12. चीन और ब्रिटेन के बीच अफीम व्यापार का मुख्य कारण क्या था और इसके क्या परिणाम हुए?

› पहला कारण यह था कि चीनी उत्पादों जैसे 'चाय, रेशम और चीनी मिट्टी के बर्तनों' की पश्चिमी देशों में 'बहुत मांग' थी, जिससे 'व्यापार में असंतुलन' हो गया था।

› दूसरा, पश्चिमी 'उत्पादों को चीन में बाजार नहीं मिल रहा था', इसलिए ब्रिटेन को 'चांदी में भुगतान' करना पड़ता था, जो उन्हें पसंद नहीं था।

› इसके परिणामस्वरूप, ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में उगाई गई 'अफीम को चीन में बेचना' शुरू किया ताकि उन्हें 'चांदी मिल सके'।

› इसने 'त्रिकोणीय व्यापार' को जन्म दिया (ब्रिटेन-भारत-चीन), लेकिन चीन में 'अफीम की लत' और 'आर्थिक अस्थिरता' बढ़ गई।

› अंततः, 'अफीम व्यापार को रोकने' के चीनी प्रयासों के कारण 'प्रथम अफीम युद्ध (1839-1842)' हुआ, जिसने 'किंग राजवंश को कमजोर' कर दिया और 'सुधारों की मांग' को बढ़ावा दिया।

उत्तर – अफीम व्यापार का मुख्य कारण चीन और पश्चिमी देशों के बीच 'व्यापार असंतुलन' था, क्योंकि चीनी उत्पादों की मांग ज़्यादा थी और पश्चिमी उत्पाद चीन में नहीं बिकते थे। इसके परिणाम स्वरूप 'प्रथम अफीम युद्ध' हुआ, जिसने चीन के 'किंग राजवंश को कमजोर' किया और देश में 'बदलाव की मांग' को जन्म दिया।

उदाहरण 13. सन यात-सेन के 'तीन सिद्धांतों' का वर्णन करें और यह बताएं कि उन्होंने चीन के आधुनिकीकरण में क्या भूमिका निभाई।

› पहले समझेंगे कि सन यात-सेन कौन थे: वे आधुनिक चीन के संस्थापक माने जाते हैं, जिन्होंने मिशन स्कूलों में शिक्षा पाई और चीन के भविष्य को लेकर चिंतित थे।

› फिर उनके 'तीन सिद्धांत' बताएंगे: 'राष्ट्रवाद', 'गणतंत्रवाद' और 'समाजवाद'।

› राष्ट्रवाद का मतलब था मांचू वंश (जो विदेशी माना जाता था) और दूसरे साम्राज्यवादियों को सत्ता से हटाना।

› गणतंत्रवाद का अर्थ था गणतंत्र या गणतांत्रिक सरकार की स्थापना करना।

› समाजवाद का अर्थ था पूंजी का नियमन करना और भूस्वामित्व में बराबरी लाना।

› अंत में, बताएंगे कि इन सिद्धांतों ने चीन को एक नई राजनीतिक और सामाजिक दिशा दी, लोगों में एकता और बदलाव की भावना पैदा की, जिससे चीन आधुनिकीकरण के रास्ते पर आगे बढ़ सका।

उत्तर – सन यात-सेन के 'तीन सिद्धांत' (सन मिन चुई) थे राष्ट्रवाद, गणतंत्रवाद और समाजवाद। राष्ट्रवाद ने मांचू वंश और विदेशी साम्राज्यवादियों को हटाने की बात की, गणतंत्रवाद ने लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना का लक्ष्य रखा, और समाजवाद ने पूंजी व भूमि स्वामित्व में समानता लाने का प्रयास किया। इन सिद्धांतों ने चीन को आधुनिकता की ओर अग्रसर किया और एक एकीकृत, समतावादी राष्ट्र की नींव रखी।

उदाहरण 14. सन यात-सेन के तीन सिद्धांतों का संक्षेप में वर्णन करें और यह भी बताएं कि 4 मई आंदोलन ने चीन के आधुनिकीकरण में क्या भूमिका निभाई।

› सन यात-सेन के तीन सिद्धांतों में पहला था 'राष्ट्रवाद' (Nationalism)। इसका मतलब था 'removing the Manchu dynasty' यानी मांचू राजवंश को सत्ता से हटाना, क्योंकि वे विदेशी थे। साथ ही, 'expelling other imperialists' मतलब दूसरे विदेशी साम्राज्यवादी ताकतों को भी चीन से भगाना था।

› दूसरा सिद्धांत था 'गणतंत्रवाद' (Democracy) या 'गणतांत्रिक सरकार की स्थापना करना'। 'establishing a republican government' मतलब एक ऐसी सरकार बनाना जहाँ लोग अपने प्रतिनिधि चुनें, राजा या सम्राट न हों।

› और तीसरा था 'समाजवाद' (Socialism)। इसका मतलब था 'regulating capital and equalising landholdings' यानी पूँजी का नियमन करना और ज़मीन का स्वामित्व सबमें बराबर बांटना ताकि कोई बहुत अमीर या बहुत गरीब न रहे।

› अब आते हैं '4 मई आंदोलन' (May Fourth Movement) पर। यह 1919 में बीजिंग में शुरू हुआ था। 'a furious demonstration against the decisions of the post-war peace conference' - पहला विश्व युद्ध खत्म होने के बाद जो शांति सम्मेलन हुआ था, उसके फैसलों के खिलाफ चीनियों ने जोरदार विरोध किया। चीन ने अंग्रेजों के साथ मिलकर युद्ध जीता था, फिर भी उसके अपने इलाके उसे वापस नहीं मिले थे।

› यह आंदोलन 'inspired a whole generation to attack tradition' यानी इसने एक पूरी पीढ़ी को चीन की पुरानी परंपराओं को चुनौती देने के लिए प्रेरित किया। 'demanding to save China through modern science, democracy, and nationalism' - लोगों ने आधुनिक विज्ञान, लोकतंत्र और राष्ट्रवाद के ज़रिए चीन को बचाने की मांग की। यह आंदोलन चीन के आधुनिकीकरण में एक बड़ा कदम था क्योंकि इसने देश को एक नई दिशा दी और 'writing in a single language' जैसी कई सुधारों की वकालत की।

› इस आंदोलन से क्रांतिकारियों ने 'foreigners occupying the country's resources' यानी देश के संसाधनों पर कब्ज़ा जमाए विदेशियों को भगाने और 'reducing inequality and poverty' यानी असमानता और गरीबी को कम करने का नारा दिया।

उत्तर – सन यात-सेन के तीन सिद्धांत थे राष्ट्रवाद (मांचू और साम्राज्यवादी ताकतों को हटाना), गणतंत्रवाद (जनता की सरकार), और समाजवाद (पूंजी का नियमन और भूमि में बराबरी)। 4 मई आंदोलन 1919 में हुआ था, जहाँ प्रथम विश्व युद्ध के बाद चीन को उसके अधिकार न मिलने पर विरोध प्रदर्शन हुए। इस आंदोलन ने चीन में आधुनिक विज्ञान, लोकतंत्र और राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया, जिससे देश में व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव आए और आधुनिकीकरण की गति तेज़ हुई।

उदाहरण 15. चीनी साम्यवादी पार्टी की स्थापना कब हुई और माओ त्सेतुंग ने क्रांति के लिए कौन-सा अनूठा रास्ता अपनाया?

› सबसे पहले, हमें यह याद रखना होगा कि 'चीनी साम्यवादी पार्टी की स्थापना 1921 में हुई थी', ठीक रूसी क्रांति के कुछ समय बाद।

› अब, इसके बाद हमें माओ त्सेतुंग के खास तरीके को समझना है। जहाँ 'परंपरागत मार्क्सवादी समझ' यह थी कि क्रांति 'शहरी इलाकों में मज़दूर वर्गों के ज़रिये' आएगी,

› वहाँ 'माओ त्सेतुंग ने क्रांति के कार्यक्रम को किसानों पर आधारित करते हुए एक अलग रास्ता चुना'। उन्होंने समझा कि चीन में ज़्यादातर लोग किसान थे, इसलिए उनकी शक्ति को साथ लेना ज़रूरी है।

उत्तर – चीनी साम्यवादी पार्टी की स्थापना 1921 में हुई थी। माओ त्सेतुंग ने क्रांति के लिए किसानों पर आधारित रास्ता अपनाया, जो पारंपरिक मार्क्सवादी विचारों से अलग था।

उदाहरण 16. माओ ने चीन में 'महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति' कब शुरू की और इसका मुख्य उद्देश्य क्या था?

› हमें यह समझना होगा कि 'महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति' एक राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन था।

› यह माओ ज़िदॉन्ग द्वारा शुरू किया गया था।

› यह 1965 में शुरू हुई थी।

› इसका मुख्य उद्देश्य 'अपने आलोचकों का सामना करने के लिए' और 'पुरानी संस्कृति, पुराने रिवाज़ों, और पुरानी आदतों के खिलाफ़ अभियान' चलाकर साम्यवादी विचारधारा को मज़बूत करना था।

उत्तर – माओ ने 'महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति' 1965 में शुरू की थी। इसका मुख्य उद्देश्य अपने आलोचकों का दमन

करना और पुरानी संस्कृति व परंपराओं को खत्म करके साम्यवादी विचारधारा को स्थापित करना था।

उदाहरण 17. 1978 के बाद चीन में लागू किए गए चार सूत्रीय आधुनिकीकरण के लक्ष्य कौन-कौन से थे?

› पहला लक्ष्य था 'विज्ञान' का विकास, ताकि देश तकनीकी रूप से आगे बढ़ सके।

› दूसरा लक्ष्य था 'उद्योग' का विकास, जिससे चीज़ों का उत्पादन बढ़े और देश आर्थिक रूप से मज़बूत हो।

› तीसरा लक्ष्य था 'कृषि' का विकास, ताकि देश में खाने-पीने की कमी न हो और किसान समृद्ध हों।

› और चौथा लक्ष्य था 'रक्षा' का विकास, जिससे देश की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

उत्तर – 1978 के बाद चीन में चार सूत्रीय आधुनिकीकरण के लक्ष्य थे: विज्ञान, उद्योग, कृषि और रक्षा का विकास।

उदाहरण 18. कोरियाई प्रायद्वीप का विभाजन कब हुआ, और उसके बाद आर्थिक विकास की मुख्य नीति क्या रही?

› सबसे पहले, कोरियाई प्रायद्वीप का विभाजन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, 'अगस्त 1945' में हुआ था। यह अस्थायी विभाजन '38वीं समानांतर रेखा' से हुआ, जिसमें उत्तर में सोवियत संघ और दक्षिण में संयुक्त राष्ट्र का संचालन था।

› इसके बाद '1950 से 1953' तक 'कोरियाई युद्ध' हुआ, जिससे बहुत नुकसान हुआ और देश आर्थिक रूप से कमजोर हो गया। दक्षिण कोरिया को अमेरिका से आर्थिक सहायता लेनी पड़ी।

› फिर, 1960 के दशक से, 'पार्क चुंग-ही' के नेतृत्व में दक्षिण कोरिया ने 'राज्य-आधारित और निर्यात-उन्मुख' आर्थिक नीति अपनाई। इसका मतलब था कि सरकार बड़े उद्योगों को बढ़ावा देती थी और मुख्य ध्यान 'निर्यात' पर था, जैसे वस्त्र और बाद में इस्पात, इलेक्ट्रॉनिक्स, जहाजरानी जैसे भारी उद्योगों पर।

› साथ ही 'सैमौल आंदोलन' चलाया गया, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाने और उनमें विकास लाने पर जोर दिया गया।

उत्तर – कोरियाई प्रायद्वीप का विभाजन अगस्त 1945 में हुआ था, और उसके बाद दक्षिण कोरिया की मुख्य आर्थिक नीति 'राज्य-आधारित और निर्यात-उन्मुख औद्योगिकीकरण' (State-led, export-oriented industrialization) रही।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह भाग चीन और जापान के आधुनिकीकरण की तुलना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उनके प्रारंभिक हालात, आधुनिकीकरण के रास्ते और अंतिम परिणामों को बिंदुवार याद रखें।

• यह अवधारणा जापान के आधुनिकीकरण की नींव है, इसलिए शोगुन, दैम्यो और सामुराई की भूमिका को अच्छे से समझना बहुत ज़रूरी है। 16वीं शताब्दी के परिवर्तनों पर अक्सर प्रश्न आते हैं।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा और सैन्य सुधारों का वर्णन करते समय, उनके 'क्यों' और 'क्या' दोनों पहलुओं को स्पष्ट करना न भूलें, जैसे अनिवार्य शिक्षा क्यों ज़रूरी थी और इससे क्या बदलाव आए।

• जापान के आर्थिक आधुनिकीकरण पर प्रश्न अक्सर 'कारण और परिणाम' के रूप में आते हैं, जैसे 'कृषि पर कर क्यों लगाया गया?' या 'रेल लाइन बिछाने का क्या प्रभाव पड़ा?' इन बिंदुओं को अच्छे से समझकर जाना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर औद्योगिक मज़दूरों की संख्या में वृद्धि, महिलाओं की भूमिका, और आक्रामक राष्ट्रवाद के उदय के कारणों पर सीधा प्रश्न आ सकता है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। फुकुज़ावा यूकिची और मियाके सेत्सुरे के विचारों के बीच के अंतर को उदाहरणों सहित स्पष्ट करना सीखें। साथ ही, 'पश्चिमीकरण' और 'परंपरा' के बीच संतुलन बनाने की जापानी कोशिशों को समझें।

• जापान में आधुनिकीकरण से रोज़मर्रा की जिंदगी में आए बदलावों पर अक्सर 3-5 नंबर के प्रश्न पूछे जाते हैं। परिवार, घरेलू सामान और मनोरंजन के बदलावों को उदाहरण सहित तैयार कर लेना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान के आर्थिक पुनर्निर्माण के कारण' और 'आधुनिकता पर विजय' की अवधारणा को विशेष रूप से तैयार करें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अफीम युद्धों के कारण और परिणामों को अच्छे से समझना और 'त्रिकोणीय व्यापार' की अवधारणा को याद रखना बहुत जरूरी है। अक्सर इन पर सीधे प्रश्न आते हैं।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सन यात-सेन के तीन सिद्धांतों और सुधारकों के योगदान पर सीधे प्रश्न आ सकते हैं, इसलिए इन्हें ध्यान से समझें और याद करें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'नए जनवाद', 'लंबी छलांग' और 'सांस्कृतिक क्रांति' – इनके उद्देश्य, प्रमुख घटनाएँ और परिणाम – इन सब पर प्रश्न आ सकते हैं। खास कर 'सांस्कृतिक क्रांति' के प्रभावों को अच्छे से याद कर लेना।

• चीन के 1978 के सुधारों और ताइवान के लोकतांत्रिक रूपांतरण की तुलनात्मक विशेषताओं पर अक्सर प्रश्न पूछे जाते हैं, खासकर आधुनिकीकरण के लक्ष्यों और राजनीतिक आज़ादी के अंतर पर ध्यान दें।

• कोरियाई आधुनिकीकरण पर प्रश्न अक्सर 'जापानी उपनिवेशवाद', 'विभाजन', 'कोरियाई युद्ध', और 'निर्यात-उन्मुख आर्थिक नीति' के बारे में आते हैं। इन मुख्य बिन्दुओं को अच्छे से याद रखना।

एक नज़र में रिवीज़न

› चीन शक्तिशाली से संघर्षरत, जापान छोटे से आधुनिक शक्ति बना।

› शोगुन: सैनिक शासक, दैम्यो: क्षेत्रीय सामंत, सामुराई: योद्धा वर्ग

› मेजी जापान: अनिवार्य शिक्षा, राष्ट्रीय-इतिहास पाठ्यक्रम, 3 लिपि भाषा, अनिवार्य सैन्य सेवा, आधुनिक सेना।

› कृषि कर, रेल लाइन, वस्त्र उद्योग, बैंकिंग, ज़ायबात्सु, प्रवास से आर्थिक विकास।

› मजदूर बढ़े, महिलाएं सक्रिय, प्रदूषण बढ़ा; मेजी संविधान ने आक्रामक राष्ट्रवाद को जन्म दिया।

› फुफुज़ावा यूकिची ने पश्चिमीकरण का समर्थन किया, मियाके सेत्सुरे ने परंपरा और राष्ट्रीय गर्व का।

› जापान में आधुनिकीकरण: 'होमु' परिवार, बिजली उत्पाद, रेडियो/फिल्में, 'मोगा' का उदय।

› जापान: युद्ध, हार, विसैन्यीकरण, आर्थिक 'चमत्कार', पर्यावरण आंदोलन।

› अफीम युद्ध (1839-42) ने किंग राजवंश को कमजोर किया; पश्चिमी संपर्क व व्यापार असंतुलन कारण थे।

› कांग यूवेई-लियांग किचाउ सुधारक; परीक्षा प्रणाली समाप्त (1905); सन यात-सेन गणतंत्र (1911), तीन सिद्धांत।

› 1949: नए जनवाद, 1958: लंबी छलांग, 1965: सांस्कृतिक क्रांति (माओ)

› चीन: 1978 सुधार (तंग शीयाओपफींग, 4 आधुनिकीकरण), ताइवान: आर्थिक विकास व लोकतंत्र.

› कोरिया: जापानी उपनिवेशवाद, 1945 विभाजन, कोरियाई युद्ध, निर्यात-उन्मुख विकास, आज आर्थिक शक्ति।